हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

चिकित्सा मशीनरी और उपकरण खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश -पढ़ें पेज 2

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 11 कांगड़ा। शनिवार, 13 जुलाई-19 जुलाई, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 30 आषाढ़, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

देवशयनी एकादशी

हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित होती है। साथ ही शुभ फल की प्राप्ति के लिए इस दिन व्रत भी किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि एकादशी व्रत करने से जन्म-जन्मांतर में किए सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। आषाढ़ माह में देवशयनी एकादशी का व्रत बेहद खास माना जाता है। इस एकादशी को देवशयनी एकादशी, पद्मनाभा एकादशी और हरिशयनी एकादशी भी कहा जाता है। आषाढ़ माह की एकादशी के दिन भगवान श्रीहरि योगनिद्रा यानी शयन करने चले जाते हैं और फिर कार्तिक माह में देवउठनी एकादशी के दिन जागते हैं।

देवशयनी एकादशी से लेकर 4 महीने तक भगवान विष्णु शयन करते हैं। इन 4 महीने को चातुर्मास कहा जाता है। चातुर्मास में कोई भी शुभ-मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है, बल्कि ज्यादा से ज्यादा समय भगवान की पूजा-उपासना की जाती है, इन 4 महीने के दौरान संसार का संचालन भगवान शिव करते हैं। देवशयनी एकादशी का दिन हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माना गया है। इसी दिन से जैन धर्म के लोगों का चातुर्मास या चौमासा भी शुरू हो जाता है, यानी कि इस दिन से चार महीनों तक संत भी यात्रा नहीं करते, बल्कि एक ही जगह पर रहकर भगवान की भक्ति-साधना करते हैं।

● कब है देवशयनी एकादशी 2024

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह की एकादशी या देवशयनी एकादशी तिथि की शुरुआत 16 जुलाई, दिन मंगलवार रात 8:33 मिनट से होगी और 17 जुलाई, दिन बुधवार को रात 09:02 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। उदयातिथि के अनुसार, इस साल देवशयनी एकादशी व्रत 17 जुलाई को रखा जाएगा। इस दिन एकादशी व्रत रखकर भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा की जाती है। ऐसा करने से श्रीहरि की असीम कृपा से जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

■ पं. कुलदीप शास्त्री